

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

क्रमांक:-प.6(2)जविप्रा/सा.स्टोर/सा.वर्दी/2016-17/डी- 59

दिनांक :-16.3.17

"सीमित बोली प्रपत्र"

विषय:- प्राधिकरण में ब्लॉक वर्ष 2016-17 हेतु हकदार कार्मिकों को देय सामान्य ठण्डी वर्दी आपूर्ति के सन्दर्भ में।

1. बोलीयाँ दिनांक 23/03/2017 को सायं 3.00 बजे तक स्वीकार की जावेगी।
2. बोली देने वाली फर्म का पूरा नाम व पता:-
.....
.....
3. पता जिस पर बोली प्रेषित की गई है :- उपायुक्त(सा.स्टोर), सदस्य सचिव, क्रय समिति, कमरा नं. 05, जविप्रा मुख्य भवन, जयपुर।
4. बोली सूचना संख्या:-
5. वर्ष 2016-17 हेतु हकदार कार्मिकों को देय ठण्डी वर्दी आपूर्ति की दरें "प्राईस-शिड्यूल" में अंकित कर प्रेषित कर दी गई है।
6. बोली प्रपत्र के साथ संलग्न समस्त अनुदेश एवं शर्तें स्वीकार है तथा उन पर हस्ताक्षर कर दिये गये है।

बोलीदाता के हस्ताक्षर

नाम:-.....

पता:-.....
.....

मो./दू:-...../.....


उपायुक्त (सामान्य स्टोर)
जयपुर विकास प्राधिकरण

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर।

ठण्डी वर्दी आपूर्ति (ब्लॉक वर्ष 2016-17) हेतु बोलीदाताओं को निर्देश एवं शर्त :-

A. बोलीदाताओं को निर्देश:-

1. बोलियाँ बन्द लिफाफों में "ठण्डी वर्दी वर्ष 2016-17 हेतु" बोली प्रस्ताव" अंकित करते हुये निर्धारित प्रपत्र पर सदस्य सचिव (उपायुक्त, सा.स्टोर) जविप्रा को निर्धारित दिनांक तक प्रस्तुत की जानी है।
2. बोली प्रपत्र जविप्रा की स्टोर शाखा से प्राप्त किया जा सकता है अथवा www.sppp.raj.gov.in & www.jaipurjda.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
3. बोलीदाता द्वारा सप्लाई हेतु प्रस्तावित वर्दी कपड़े का Sample बोली प्रपत्र के साथ संलग्न किया जाना अनिवार्य है।
4. बोली आमंत्रण सूचना में वर्णित मात्रा अनुमानित है, प्राधिकरण की आवश्यकतानुसार परिवर्तन किया जा सकता है।
5. प्राधिकरण के निर्देशानुसार विभिन्न साईज के पृथक-पृथक पीस प्राधिकरण कार्यालय को उपलब्ध करवाने होंगे, जिसका कोई अतिरिक्त भुगतान देय नहीं होगा।
6. सशर्त बोलियाँ अस्वीकार्य होगी।
7. बोली आमंत्रण सूचना में वर्णित कपड़े की विशेषताएँ प्रस्तावित कपड़े में होने का प्रमाण पत्र संलग्न होना चाहिए। बोलीदाता को संलग्न शर्तों पर हस्ताक्षर कर बोली के साथ प्रस्तुत करने होंगे।

B. बोलीदाता की योग्यता :-

1. बोलीदाता द्वारा जिस ब्राण्ड/कम्पनी का वर्दी का कपड़ा बोली में प्रस्तावित किया गया है, उस कम्पनी/ब्राण्ड का अधिकृत विक्रेता होने का प्रमाण पत्र (छाया प्रति) संलग्न की जानी चाहिए।
2. आपूर्तिकर्ता फर्म के पास TIN No. अथवा VAT No. रजिस्ट्रेशन होना आवश्यक है, जिसकी छायाप्रति संलग्न की जानी है।


उपायुक्त (सामान्य स्टोर)
ज वि प्रा-1 जयपुर

C. मूल्यांकन कसौटी एवं अनुबन्ध योग्यता निर्धारण प्रक्रिया :-

1. सर्वप्रथम सक्षम समिति द्वारा बोलीदाता द्वारा संलग्न वांछित प्रपत्रों का अवलोकन किया जावेगा। वांछित प्रपत्र सही होने की दशा में, विभिन्न बोलीदाताओं द्वारा दी गयी दरों का अवलोकन किया जावेगा।
2. समान प्रकार/गुणवत्ता, ब्राण्ड के प्रस्ताव प्राप्त होने पर न्यूनतम दरों वाले बोलीदाता का चयन किया जावेगा।
3. प्रस्तावित सप्लाई की गुणवत्ता (जिसका निर्धारण सक्षम समिति द्वारा किया जाना है) के आधार पर दरों की औचित्यता के दृष्टिगत अधिक दर वाले बोलीदाता की बोलियाँ भी स्वीकृत की जा सकती हैं।
4. बोलीदाता द्वारा दरें सुपाद्य एवं स्पष्ट अंकित की जानी चाहिए। प्रत्येक कटिंग पर बोलीदाता के हस्ताक्षर होने चाहिए।

D. अन्य शर्तें/अनुदेश :-

1. बोली के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की जानकारी/स्पष्टीकरण जविप्रा, सामान्य स्टोर शाखा से प्राप्त किया जा सकता है, लिखित में स्पष्टीकरण प्राप्ति हेतु बोली सूचना प्रकाशित होने/अथवा www.sppp.raj.gov.in & www.jaipurjda.in पर अपलोड करने के 3 दिवस के अन्दर लिखित प्रार्थना-पत्र उपायुक्त(सा.स्टोर) को प्रस्तुत करना होगा, जिसका प्रत्युत्तर प्रार्थी को प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत करने की दिनांक से 3 दिवस में दे दिया जावेगा।
2. सक्षम समिति को कारण बताते हुये अथवा बिना बताये बोली को निरस्त करने का अधिकार होगा।
3. दरें समस्त करें, प्रभारों एवं भाड़ें सहित दी जानी चाहिए, बोली में वर्णित दर के अतिरिक्त किसी प्रकार के प्रभार स्वीकृत नहीं किये जायेंगे।
4. यह आवश्यक नहीं है कि क्रय एक ही फर्म से किया जावें। प्राधिकरण एक से अधिक बोलीदाताओं से क्रय किये जाने हेतु स्वतन्त्र है।
5. Rajasthan Transparency in Public Procurement Act-2012 प्रावधानों के तहत इस बोली के साथ संलग्न Annexure-A, B, C & D बोलीदाता द्वारा हस्ताक्षर कर प्रेषित किया जाना अनिवार्य है।


उपायुक्त (सामान्य स्टोर)
ज. नि. प्रा. जयपुर

6. Rajasthan Transparency in Public Procurement Act-2012 प्रावधानों के अनुसार बोलीदाता संस्था के अधिकारियों/कार्मिकों द्वारा एवं समस्त Bidders द्वारा सत्यनिष्ठा संहिता की पालना किया जाना अनिवार्य होगा।
7. Rajasthan Transparency in Public Procurement Act-2012 के section-38 के तहत कोई भी Bidder अथवा Proposed Bidder जिसे यह प्रतीत होता है, कि इस Bid का कोई प्रावधान या कृत्य इस अधिनियम के प्रतिकूल है, तो वह प्रथम अपील अधिकारी सचिव जविप्रा के समक्ष अपील कर सकता है। साथ ही समान उद्देश्य (अपील) के लिए प्रावधान अनुसार द्वितीय अपील अधिकारी आयुक्त, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर है।
8. राजस्थान उपापन में पारदर्शिता अधिनियम-2012 एवं नियम-2013 में वर्णित प्रावधान एवं समय-समय पर राज्य सरकार एवं प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर जारी किये जाने वाले दिशा-निर्देश/आदेश जो इस बोली हेतु प्रासंगिक हो जविप्रा एवं सफल बोलीदाता द्वारा मान्य होंगे।

बोलीदाता के हस्ताक्षर


आयुक्त (सामान्य स्टाफ)
ज.वि.प्रा., जयपुर

नाम:-.....

पता:-.....

.....

मोबा./ दूरभाष:-..... /

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

क्रमांक:-प.6()जविप्रा/सा.स्टोर/सा.वर्दी/2016-17/डी-

दिनांक :-

"प्राईस-शिड्यूल"

क्र.सं.	कपडे का प्रकार व विवरण	दर प्रति मीटर/नग
1.	1. साडी (सनरीज, जार्जेट 60X60) अनुमानित साडी-38 नग	अंको मे रूपये शब्दों मे रूपये
2.	2. ब्लाउज (रुबीया 2 X 2) अनुमानित साडी-2X19=38 नग	अंको मे रूपये शब्दों मे रूपये
3	3. पेटिकोट (पॉपलीन कॉटन क्लॉथ) अनुमानित 9 मी.-9X19=171 मी. नग	अंको मे रूपये शब्दों मे रूपये


जयपुर विकास प्राधिकरण
प.वि.प्रा. जयपुर

बोलीदाता के हस्ताक्षर

नाम:-.....

पता:-.....

.....

मोबाइल/दूरभाष:-...../.....

Annexure A: Compliance with the Code of Integrity and No Conflict of Interest

Any person participating in a procurement process shall-

- (a) Not offer any bribe, reward or gift or any material benefit either directly or indirectly in exchange for an unfair advantage in procurement process or to otherwise influence the procurement process;
- (b) Not misrepresent or omit that misleads or attempts to mislead so as to obtain a financial or other benefit or avoid an obligation;
- (c) Not indulge in any collusion, Bid rigging or anticompetitive behavior to impair the transparency, fairness and progress of the procurement process;
- (d) Not misuse any information shared between the procuring entity and the bidders with an intent to gain unfair advantage in the procurement process;
- (e) Not indulge in any coercion including impairing or harming or threatening to do the same, directly or indirectly, to any party or to its property to influence the procurement process;
- (f) Not obstruct any investigation or audit of a procurement process;
- (g) Disclose conflict of interest, if any; and
- (h) Disclose any previous transgressions with any entity in India or any other country during the last three years or any debarment by any other procuring entity.

Conflict of interest.-

The Bidder participating in a bidding process must not have a Conflict of Interest.

A Conflict of interest is considered to be a situation in which a party has interests that could improperly influence that party's performance of official duties or responsibilities, contractual obligations, or compliance with applicable laws and regulations.

- (i) A bidder may be considered to be in conflict of interest with one or more parties in the bidding process if, including but not limited to:
 - (a) Have controlling partners/shareholders in common; or
 - (b) Receive or have received any direct or indirect subsidy from any of them; or
 - (c) Have the same legal representative for purposes of the bid; or
 - (d) have a relationship with each other, directly or through common third parties, that puts them in a position to have access to information about or influence on the bid of another bidder, or influence the decisions of the procuring Entity regarding the bidding process; or
 - (e) The bidder participates in more than one bid in a bidding process. Participation by a bidder in more than one bid will result in the disqualification of all bids in which the bidder is involved. However, this does not limit the inclusion of the same subcontractor, not otherwise participating as a bidder, in more than one bid; or
 - (f) the bidder or any of its affiliates participated as a consultant in the preparation of the design or technical specifications of the goods, works or services that are the subject of the Bid; or
 - (g) Bidder or any of its affiliates has been hired (or proposed to be hired) by the procuring entity as engineer-in-charge/consultant for the contract.

DC (Store)
JDA, Jaipur

जायपुर (सायाय स्टोर)
ज वि प्रा., जायपुर

Signature of bidder

Annexure B: Declaration by the Bidder regarding Qualifications

Declaration by the Bidder

In relation to my/our Bid submitted tofor procurement ofin response to their Notice inviting Bids No.....Dated.....
I/wehereby declare under Section 7 of Rajasthan Transparency in Public Procurement Act, 2012 that :

1. I/we possess the necessary professional, technical, financial and managerial resources and competence required by the Bidding Document issued by the Procuring Entry;
2. I/we have fulfilled my/our obligation to pay such-of the taxes payable to the union and the state government or any local authority as specified in the Bidding Document.
3. I/we are not insolvent, in receivership, bankrupt or being wound up, not have my/our affairs administered by a court or a judicial officer, not have my/our business activities suspended and not the subject of legal proceedings for any of the foregoing reasons;
4. I/we do not have, and our directors and officers not have, been convicted of any criminal offence related to my/our professional conduct or the making of false statements or misrepresentations as to my/our qualifications to enter into a procurement contract within a period of three years preceding the commencement of this procurement process, or not have been otherwise disqualified pursuant to debarment proceedings;
5. I/we do not have a conflict of interest as specified in the Act, Rules and the Bidding Document, which materially affects fair competition;

Date :

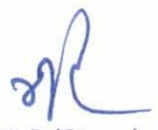
Place :

Signature of bidder

Name :

Designation :

Address :


DC (Store)
JDA, Jaipur
अध्यक्ष (विपणन सेवाएं)
ज.वि.प्र., जयपुर

Annexure C : Grievance Redressal during Procurement Process

The designation and address of the First Appellate Authority is.....

The designation and address of the Second Appellate Authority is.....

(1) Filing an appeal:-

if any bidder or prospective bidder is aggrieved that any decision, action or omission of the procuring entity is in contravention to the provisions of the Act or the rules or the guidelines issued thereunder, he may file an appeal to First Appellate authority, as specified in the Bidding document within a period of ten days from the date of such decision or action, omission, as the case may be, clearly giving the specific ground or grounds on which he feels aggrieved:

Provided that after the declaration of a bidder as successful the appeal may be filed only by a bidder who has participated in procurement proceedings:

Provided further that in case a procuring entity evaluates the technical bids before the opening of the financial bids, an appeal related to the matter of financial bids may be filed only by a bidder whose technical bid is found to be acceptable.

(2) The officer to whom an appeal is filed under Para (1) shall deal with the appeal as expeditiously as possible and shall endeavour to dispose it of within thirty days from the date of the appeal.

(3) If the officer designated under Para (1) fails to dispose of the appeal filed within the period specified in Para (2), or if the bidder or prospective bidder or the procuring entity is aggrieved by the order passed by the first appellate authority, the bidder or prospective bidder or the procuring entity, as the case may be, may file a second appeal to second appellate authority specified in the bidding document in this behalf within fifteen days from the expiry of the period specified in Para (2) or of the date of receipt of the order passed by the first appellate authority, as the case may be.

(4) Appeals not to lie in certain cases:-

No appeal shall lie against any decision of the procuring entity relating to the following matters, namely:-

- (a) Determination of need of procurement
- (b) Provisions limiting participation of bidders in the bid process
- (c) The decision of whether or not to enter into negotiations
- (d) Cancellation of a procurement process
- (e) Applicability of the provisions of confidentiality

(5) Form of Appeals:-

- (a) An appeal under Para (1) or (3) above shall be in the annexed form along with as many copies as there are respondents in the appeal.
- (b) Every appeal shall be accompanied by an order appealed against, if any, affidavit verifying the facts stated in the appeal and proof of payment of fee.
- (c) Every appeal may be presented to first appellate authority or second appellate authority, as the case may be, in person or through registered post or authorized representative.

DC (Store)
JDA, Jaipur

उपायुक्त (महाम्य स्टाफ)
ज.वि.प्रा., जयपुर

Signature of bidder (in case of appeal)

(6) Fee for filing Appeal:-

- (a) Fee for first appeal shall be rupees two thousand five hundred and for second appeal shall be rupees ten thousand, which shall be non-refundable.
- (b) The fee shall be paid in the form of bank demand draft or banker's cheque of a scheduled bank in India payable in the name of appellate authority concerned.

(7) Procedure for disposal of Appeal:-

- (a) The first appellate authority or second appellate authority as the case may be, upon filing of appeal, shall issue notice accompanied by copy of appeal, affidavit and documents, if any, to the respondents and fix date of hearing
- (b) On the date fixed for hearing, the first appellate authority or second appellate authority, as the case may be shall-
 - (i) Hear all the parties to appeal present before him; and
 - (ii) Peruse or inspect documents, relevant records or copies thereof relating to the matter.
- (c) After hearing the parties, perusal or inspection of documents and relevant records or copies thereof relating to the matter, the appellate authority concerned shall pass an order in writing and provide the copy of order to the parties to appeal free of cost.
- (d) The order passed under sub-clause (c) above shall also be placed on the state public procurement portal.



DC (Store)
JDA, Jaipur

उपायुक्त (सामान्य स्टोअर)
ज.वि.प्रा., जयपुर

Signature of bidder (in case of appeal)

FORM No. 1

[see rule 83]

Memorandum of Appeal under the Rajasthan
Transparency in Public procurement Act, 2012

Appeal No. of Before
the.....(First/Second Appellate authority)

- 1- Particulars of appellant :
(i) Name of the appellant :
(ii) Official address, if any:
(iii) Residential address :
- 2- Name and address of the respondent(s):
(i)
(ii)
(iii)
- 3- Number and date of the order appealed
against and name and designation of the
office/authority who passed the order
(enclose copy), or a statement of a decision,
action or omission of the procuring Entity
in contravention to the provisions of the Act
by which the appellant is aggrieved:
- 4- If the Appellant propose to be represented by
a representative the name and postal address
of the representative:
- 5- Number of affidavits and documents enclosed
with the appeal:
- 6- Grounds of appeal :
(Supported by an affidavit)
- 7- Prayer :

Place :

Date :

DC (Store)
JDA, Jaipur

जयपुर जिला विकास मंत्रालय
ज.वि.प्र.०, जयपुर

Appellant's Signature

Annexure D: Additional Conditions of Contract

1. Correction of arithmetical errors

Provided that a financial bid is substantially responsive, the procuring entity will correct arithmetical errors during evaluation of financial Bids on the following basis:

- (i) if there is a discrepancy between the unit price and the total price that is obtained by multiplying the unit price and quantity, the unit price shall prevail and the total price shall be corrected, unless in the opinion of the procuring entity there is an obvious misplacement of the decimal point in the unit price, in which case the total price as quoted shall govern and the unit price shall be corrected;
- (ii) if there is an error in a total corresponding to the addition or subtraction of subtotals, the subtotals shall prevail and the total shall be corrected; and
- (iii) if there is a discrepancy between words and figures, the amount in words shall prevail, unless the amount expressed in words is related to an arithmetic error, in which case the amount in figures shall prevail subject to (i) and (ii) above.

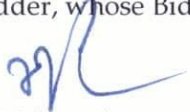
If the Bidder that submitted the lowest evaluated bid does not accept the correction of errors, its bid shall be disqualified and its bid security shall be forfeited or its bid securing declaration shall be executed.

2. Procuring Entity's Right to Vary quantities.

- (i) At the time of award of contract, the quantity of goods, works or services originally specified in the bidding documents may be increased or decreased, by a specified percentage, but such increase or decrease shall not exceed twenty percent, of the quantity specified in the bidding documents. It shall be without any change in the unit prices or other terms and conditions of the bid and the conditions of contract.
- (ii) If the Procuring entity does not procure any subject matter of procurement or procures less than the quantity specified in the bidding document due to change circumstances, the bidder shall not be entitled to any claim or compensation except otherwise provide in the conditions of contract.
- (iii) In case of procurement of goods or services, additional quantity may be procured by placing a repeat order on the rates and conditions of the original order. However, the additional quantity shall not be more than 50% of the value of goods of the original contract and shall be within one month from the date of expiry of last supply. If the supplier fails to do so, the procuring entity shall be free to arrange for the balance supply by limited bidding or otherwise and the extra cost incurred shall be recovered from the supplier.

3. Dividing quantities among more than one bidder at the time of award (In case of procurement of Goods):-

As a general rule all the quantities of the subject matter of procurement shall be procured from the Bidder, whose Bid accepted. However, when it is considered that the quantity of the subject matter of procurement to be procured is very large and it may not be in the capacity of the Bidder, whose Bid is accepted, to deliver the entire quantity or when it is considered that the subject matter of procurement to be procured is of critical and vital nature, then in such cases, the quantity may be divided between the Bidder, whose Bid is accepted and the second lowest Bidder or even more Bidder in that order, in a fair, transparent and equitable manner, at the rates of the Bidder, whose Bid is accepted.


DC (Store)
JDA, Jaipur
उपायुक्त (नियामक) स्टोर
ज.वि.प्रा., जयपुर

Signature of bidder